

तारीख  
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर  
अहकाम  
हुकम  
में ज

22/5/21

पत्राकली पेश हुई। आषाज किलारी जरी  
किन्तु वासी खैम/वासी कबील हानिर  
अहलत नही आये हैं

अब वासी/वासी कबील की अनुप  
मै मूल वाह अहम राजरी/अहम  
पेशी मै शारिज हो चुका है अतः  
शरिया पर भी शारिज सिद्ध जाता है।  
पत्राकली लैसल सुमा होकर नकल  
से रुय ही काद पूर्ण जमा लेक  
अण्डर हो।

अधिकारी  
समावेत (अहमर)